Ancient Vedic Mantras and Rituals

Kamika Ekadashi 2026: तिथि, शुभ मुहूर्त, पूजा विधि, व्रत कथा, महत्व और लाभ | PDF

कामिका एकादशी 2026

कामिका एकादशी भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित अत्यंत पवित्र एकादशी व्रतों में से एक है। यह व्रत **श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी** तिथि को रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन श्रद्धा और नियमपूर्वक भगवान विष्णु की पूजा करने तथा व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

विशेष रूप से चातुर्मास के दौरान आने वाली यह एकादशी आध्यात्मिक साधना, भक्ति और आत्मशुद्धि के लिए अत्यंत फलदायी मानी गई है।

कामिका एकादशी 2026 कब है?

पर्व का नाम: कामिका एकादशी

तिथि: 9 अगस्त 2026, रविवार

पक्ष: कृष्ण पक्ष

मास: श्रावण मास

पारण: 10 अगस्त 2026 (द्वादशी) को सुबह 05:47 बजे से 08:01 बजे तक।

नोट: एकादशी व्रत और पारण का समय आपके शहर के अनुसार थोड़ा भिन्न हो सकता है। इसलिए व्रत करने से पहले अपने **स्थानीय पंचांग** का अवश्य पालन करें।

कामिका एकादशी व्रत कथा

प्राचीन समय में **नागर** नाम का एक नगर था। वहाँ एक **लुब्धक (शिकारी)** रहता था। वह प्रतिदिन जंगल में जाकर पशु-पक्षियों का शिकार करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। यद्यपि उसका जीवन हिंसा से भरा था, फिर भी उसके मन में भगवान के प्रति श्रद्धा थी।

एक दिन, आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी आई। **संयोगवश**, उस दिन शिकारी को कोई शिकार नहीं मिला। **फलस्वरूप**, वह भूखा-प्यासा ही घर लौट आया। **अनजाने में**, उसने पूरे दिन उपवास किया और रातभर भगवान विष्णु का स्मरण करता रहा।

अगले दिन द्वादशी को उसने विधिपूर्वक भोजन किया। इस अनजाने में किए गए एकादशी व्रत के प्रभाव से उसके सभी पाप नष्ट हो गए। मृत्यु के बाद उसे भगवान विष्णु के धाम **वैकुण्ठ** की प्राप्ति हुई।

यह कथा सुनाकर भगवान श्रीकृष्ण ने धर्मराज युधिष्ठिर से कहा कि **कामिका एकादशी का व्रत** अत्यंत पुण्यदायी है। इस व्रत के प्रभाव से मनुष्य के जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं

और उसे भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

कामिका एकादशी का महत्व

भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने से समस्त पापों का नाश होता है।

तुलसी पत्र अर्पित करने का विशेष महत्व माना गया है।

व्रत करने से सुख, शांति, समृद्धि और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इस दिन दान-पुण्य, विष्णु सहस्रनाम और "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" मंत्र का जप अत्यंत फलदायी माना जाता है।

व्रत मंत्र:

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः।

आरती के बाद प्रार्थना:

"हे भगवान श्रीहरि! मेरे सभी ज्ञात-अज्ञात दोषों को क्षमा करें और मुझे धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष प्रदान करें।"

कामिका एकादशी का व्रत श्रद्धा, भक्ति और नियमपूर्वक करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है तथा जीवन में सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

कामिका एकादशी 2026 पूजा विधि

कामिका एकादशी के दिन निम्न प्रकार से पूजा करें—

ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें।

स्वच्छ एवं पीले या साफ वस्त्र धारण करें।

व्रत का संकल्प लें।

घर के मंदिर की साफ-सफाई करें।

भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें।

भगवान को गंगाजल, पंचामृत से अभिषेक करें।

पीले पुष्प, तुलसी दल, धूप, दीप, नैवेद्य और फल अर्पित करें।

“ॐ नमो भगवते वासुदेवाय” मंत्र का जाप करें।

विष्णु सहस्रनाम एवं भगवद्गीता का पाठ करें।

कामिका एकादशी व्रत कथा का श्रवण या पाठ करें।

रात्रि में भगवान विष्णु का भजन-कीर्तन करें।

अगले दिन द्वादशी तिथि में शुभ समय पर पारण करें।

कामिका एकादशी व्रत के नियम

दशमी तिथि से सात्विक भोजन ग्रहण करें।

चावल, गेहूँ, दाल, प्याज, लहसुन और तामसिक भोजन का त्याग करें।

क्रोध, झूठ, चुगली और नकारात्मक विचारों से दूर रहें।

यथाशक्ति निराहार, फलाहार या जलाहार व्रत रखें।

तुलसी माता की पूजा अवश्य करें।

गरीबों एवं जरूरतमंदों को दान दें।

द्वादशी के दिन नियत समय पर ही पारण करें।

कामिका एकादशी के दिन क्या दान करें?

इस दिन निम्न वस्तुओं का दान शुभ माना जाता है—

अन्न

वस्त्र

घी

तिल

फल

दक्षिणा

गौसेवा

धार्मिक ग्रंथ

छाता

जल पात्र

दान करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है और पुण्य में वृद्धि होती है।

कामिका एकादशी व्रत में क्या खाएं?

यदि आप फलाहार व्रत रखते हैं, तो इन चीजों का सेवन कर सकते हैं—

दूध

दही

फल

मखाना

साबूदाना

सिंघाड़े का आटा

कुट्टू का आटा

मूंगफली

नारियल पानी

सेंधा नमक

अनाज एवं सामान्य नमक का सेवन नहीं करना चाहिए।

कामिका एकादशी के लाभ

कामिका एकादशी का व्रत करने से अनेक आध्यात्मिक और धार्मिक लाभ प्राप्त होते हैं, जैसे–

सबसे पहले, भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

इसके साथ ही, जन्म-जन्मांतर के पापों का नाश होता है।

इतना ही नहीं, मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

वहीं, परिवार में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली का वातावरण बनता है।

साथ ही आर्थिक उन्नति के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, नकारात्मक ऊर्जा और मानसिक तनाव दूर होते हैं।

श्रद्धापूर्वक व्रत करने से मनोकामनाओं की पूर्ति का आशीर्वाद मिलता है।

आध्यात्मिक साधना में प्रगति होती है और ईश्वर के प्रति श्रद्धा बढ़ती है।

अंततः, मोक्ष प्राप्ति का मार्ग भी प्रशस्त माना गया है।

कामिका एकादशी 2026 भगवान श्री विष्णु की आराधना, व्रत, जप, दान और आध्यात्मिक साधना का अत्यंत शुभ अवसर है। इस दिन श्रद्धा एवं नियमपूर्वक व्रत रखने, तुलसी दल अर्पित करने, विष्णु सहस्रनाम का पाठ करने तथा दान-पुण्य करने से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। यदि आप पूरे विधि-विधान से कामिका एकादशी का पालन करते हैं, तो यह व्रत आपके आध्यात्मिक और पारिवारिक जीवन दोनों के लिए अत्यंत मंगलकारी माना जाता है।

Related Article

भगवान विष्णु 108 नाम

भगवान विष्णु व्रत कथा

THANKS FOR READING

READ MORE RELIGIOUS CONTENT ON

vedicprayers.com

VEDIC PRAYERS

Follow us on: